हलाली

बेतवा की सहायक नदियों में से एक हलाली नदी पर बने इस बांध को हाल ही में मध्य प्रदेश पर्यटन निगम ने पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित किया है। विदिशा एवं रायसेन जिलों में पड़ने वाला यह पर्यटक स्थल भोपाल से मात्र 40 किमी की दूरी पर सांची की ओर जाने वाले रास्ते पर स्थित है। 699 वर्ग किमी में फैले सम्राट अशोक सागर बांध पर हलाली बोट क्लब का भी निर्माण किया गया है जहां पैडल बोटिंग का आनन्द उठाया जा सकता है। अशोक सागर की विस्तृत अपार जलराशि, शान्त सुरम्य वातावरण, प्रकृति की स्निग्ध छटा किसी का भी मन मोह सकते हैं।

हलाली बांध पर मध्य प्रदेश पर्यटन के हलाली रिट्रीट में ठहरने का अपना मज़ा है। जिसमें रूकने के लिए बहुत कम कीमत पर कमरे उपलब्ध हैं। प्रकृति की असीम सुन्दरता के बीच इस होटल में रूककर यहां की निसर्ग ख़ूबसूरती को बहुत करीब से महसूस किया जा सकता है। सभी सुविधाओं से युक्त इस होटल में बगीचों, पार्क, रेस्टारेन्ट एवं प्लेग्राउंड की भी व्यवस्था है।

सैर सपाटा

नेचर ट्रेल, टॉय ट्रेन, म्यूजिकल फाउन्टेन, बार तथा खाने पीने के स्टॉल सहित कई दृश्यदर्शी स्थान है। सैर सपाटा का मुख्य आकर्षण सस्पेंशन केबल स्टे ब्रिज है जो कि 10 फीट चौड़ा और 500 फीट लंबा है। एडवेंचर ज़ोनं विशेषकर स्पोर्टस से जुड़े हुए लोगो के लिए उपयुक्त है। नेचर ट्रेल में पेड़ो के बीच सैर करके जंगल में घूमने का अनुभव होता है। खान–पान के स्टॉल में भेल पुरी, कबाब और आइसक्रीम जैसे व्यंजनों का लुत्फ उठाया जा सकता है। सैर सपाटा में बोटिंग का भी प्रबंध है। यहॉ का बार जिसकी दिवारें और फ्लोर कॉच से निर्मित है और जिसके फ्लोर के नीचे से पानी देखा जा सकता है। सैर सपाटा का एक और आकर्षण यहां चलने वाली टॉय ट्रेन है। यह पूरे पार्क का राउन्ड लगाती है जिसमें 10 मिनट का समय लगता है। टॉय ट्रेन की राइड को और मनोरंजक बनाने के लिए बीच–बीच में पर्यटन स्थलों के नाम से स्टेशन के बोर्ड लगाए गए है। सैर सपाटा का म्यूजिकल फाउन्टेन देखने योग्य है। इसमें पानी के फुहारे संगीत की लय के साथ, रंग बदलते हुए उठते हुए दिखाई देते है। यह फुहारे ऑखों को आराम पहुँचाने वाला दृश्य रचती है।

सैर सपाटा का निर्माण म.प्र. पर्यटन द्वारा किया गया है। यह स्थान भदभदा पुल के निकट वन विहार रोड पर स्थित है। इसमें बच्चों के लिए झूलों के अलावा एडवेंचर ज़ोन

पिकनिक, सैर–सपाटा, सुकून व मौज–मस्ती, आपके हर मूड के लिए भोपाल के आस–पास हाज़िर है शानदार पर्यटन स्थल!

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

The heart of Incredible India

मध्यप्रदेश पर्यटन, पर्यटन भवन,
भदभदा रोड, भोपाल (0755)–2778383
भीमबैठिका:– ✆ 07480281558, 8349564689
साँची :–✆ 07482266723, 9424796831
देलाबाड़ी:–delawadi@mptourism.com
केरवा:–✆ 0755-2696736, 9424796774
हलाली:–✆ 9424796851, 9302192848

बुकिंग के लिए संपर्क करें

सिटी बुकिंग ऑफिस, पलाश रेसिडेंसी,
टी.टी. नगर, भोपाल – (0755) – 2550588
दूरिस्ट ऑफिस, रेन्बो ट्रीट, शाहपुरा,
भोपाल – (0755) – 2429829

Heritage | Wildlife | Pilgrimage | Leisure

Aquarius Inc.

The heart of Incredible India

भोपाल के आस-पास, बहुत कुछ है खास

www.mptourism.com

भोपाल के चारों ओर, पर्यटन का आनंद ही आनंद

सैर–सपाटा, मौज–मस्ती और रोमांच से भरपूर ऐसे ढेरों ख़ूबसूरत स्थल भोपाल के आस–पास ही हैं जहां विश्वस्तरीय पर्यटन का लुत्फ़ उठाया जा सकता है–

भीमबैठिका

विन्ध्य पहाड़ियों पर घने जंगलो के बीच भीमबैठिका की 500 से ज्यादा गुफाएं नवपाषाणकालीन शैलचित्रों को संजोए हुए हैं। प्रागैतिहासिक मानवों के रोजमर्रा के जीवन को प्रदर्शित करते ये दुर्लभ चित्र मूलतः लाल एवं सफेद रंगों से बने हैं। कहीं–कहीं पीले एवं हरे रंग का प्रयोग भी है। इन चित्रों में शिकार, नृत्य, गायन – वादन युद्ध,पशुओं की लड़ाई, घोड़े और हाथी की सवारी आदि दैनिक क्रियाकलापों के साथ–साथ अनेक पशुओं जैसे– भैंसा, शेर, घोड़े, हाथी, हिरन, जंगली सुअर, कुत्ते, छिपकलियां, घड़ियाल आदि, को प्रदर्शित किया गया है। इन शैलचित्रो को चित्रित करने में आदिमानवों ने, मैंगनीज़, हेमेटाइट, नरम लाल पत्थर और लकड़ी के कोयले के मिश्रण से बने रंगों का प्रयोग किया है।

कभी–कभी इस सम्मिश्रण में पशुओं की चर्बी एवं पत्तों के सत्व मिलाया जाता था। सदियों बाद, आज तक ये रंग बरकरार है जो आदिकालीन मानवों के उच्च रसायन ज्ञान को प्रदर्शित करते है।

मानव सभ्यता के विकास की भव्य गाथा को चित्रों में बखानते ये प्रागैतिहासिक शैलचित्र आपको रोमांच से भर देंगे।

भोपाल से मात्र 46 कि.मी. दक्षिण में होशंगाबाद रोड (राष्ट्रीय राजमार्ग 12) पर स्थित भीमबैठिका में मध्यप्रदेश पर्यटन का भीमबैठिका हाइवे ट्रीट आपका स्वागत करता है।

साँची

तीसरी शती ईसा पूर्व से 12वीं ईसवी के मध्य सम्राट अशोक द्वारा सांची में एक छोटी सी पहाड़ी पर बनवाए गए बौद्ध स्तूप, विहार एवं शिलालेख यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित हैं। भोपाल से मात्र 46 किमी की दूरी पर स्थित सांची, विश्व के सबसे बड़े बौद्ध पर्यटन स्थलों में से एक है। सांची के स्तूप, तोरण द्वार एवं अशोक स्तंभ, प्राचीन बौद्ध कला का प्रतिनिधित्व करते हैं जिस पर भगवान बुद्ध के धार्मिक उपदेश एवं सिद्धान्तों को उत्कीर्ण किया गया है जो न केवल भारत की प्राचीन मूर्तिकलाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं बल्कि आधुनिक कलाओं को समझने के लिए आधार स्तंभ है।

सांची में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का संग्रहालय भी है जहां तीसरी शती ईसा पूर्व से 1वीं शती ईसा पूर्व के मध्य भारत की प्राचीनतम मूर्तिकलाओं के अवशेष संग्रहित हैं। सांची के सुकुन भरे वातावरण में पर्यटन, आध्यात्म सा आनन्द प्रदान करता है।

मध्यप्रदेश पर्यटन का सांची **गेटवे रिट्रीट** आपके सांची पर्यटन का लुत्फ बढ़ाने के लिए सदैव तत्पर है।

देलावाड़ी जंगल कैम्प

भोपाल से 55 किमी की दूरी पर रायसेन और सिहोर जिलों में विन्ध्य पहाड़ियों के मध्य विस्तारित रातापानी वन्यप्राणी अभयारण्य अपनी प्राकृतिक ख़ूबसूरती, घनघोर जंगलों एवं इसमें पाए जाने वाले भरपूर पशु–पक्षियों तथा वन्य जीवों के लिए जाना जाता है। नर्मदा एवं कोलार नदियों के बीच स्थित यह अभयारण्य जंगल प्रेमियों एवं वन्य जीवन से लगाव रखने वालों का सबसे पसंदीदा पर्यटक स्थल है। इस अभयारण्य में पशु–पक्षियों एवं अन्य वन्य जीवों की अनेक प्रजातियां विशाल संख्या में निवास करती हैं। उपयुक्त मौसम में विदेशी पक्षी भी अपार संख्या में प्रवास करने आते हैं। प्रमुख भ्रमणीय स्थलों में युद्धबंदी शिविर, गिन्नौरगढ का किला, छोटी आमखो और भदभदा प्रपात आदि हैं।

मध्य प्रदेश पर्यटन निगम ने,अभयारण्य की सैर करने और जंगल के हर रोमांच से सैलानियों को रूबरू कराने के लिए **देलावाड़ी जंगल कैम्प** (मध्य प्रदेश पर्यटन)आपका स्वागत करता है। यहाँ ठहरने के लिए A/C टेन्ट एवं भोजन सुविधा के लिए रेस्टॉरेन्ट उपलब्ध है।

केरवा

विशाल पहाड़ियों से घिरे केरवा बांध की प्राकृतिक सुन्दरता के शान्त वातावरण में ख़ूबसूरती से बनाया गया पिकनिक स्पॉट, पर्यटन के आनन्द को कई गुना बढा देता है। भोपाल से मात्र 15 किमी की दूरी पर विकसित यह रमणीय स्थल पिकनिक के लिए सबसे उपयुक्त स्थल है। यहां मध्य प्रदेश पर्यटन द्वारा बच्चों के लिए विशेष मनोरंजन पार्क का विकास किया गया है जिसमें झूले,सी–सॉ, स्लाइड, फाउंटेन एवं अन्य आकर्षक खेलों की व्यवस्था है। ख़ूबसूरत नज़ारों के विहंगम अवलोकन के लिए ऊँचाई वाले स्थानों पर विशेष दर्शनीय स्पॉट बनाए गए हैं जहां से बांध एवं डूबते सूर्य को निहारना अपने आप में एक प्रशान्त सुख प्रदान करता है।

इस पर्यटक स्थल पर ख़ूबसूरत बगीचे, वेल मेन्टेन्ड पार्क एवं पार्किंग के लिए पर्याप्त जगह का निर्माण किया गया है। मध्य प्रदेश पर्यटन निगम की ओर से एक रेस्तराँ भी है ताकि पर्यटकों को उचित दाम पर खाने–पीने की वस्तुएं उपलब्ध हो सकें। भोपाल के सबसे नजदीक और सबसे ख़ूबसूरत पिकनिक स्थलों मे एक केरवा, पूरे परिवार के साथ मौज भरा दिन बिताने के लिए और दोस्तों के साथ मस्ती करने के लिए सर्वोपयुक्त स्थल है।